आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 29.08.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- रुद्रप्रयाग जिले के बसुकेदार और चमोली के देवाल में अतिवृष्टि से भारी नुकसान। राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संबंधित जिलाधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में सभी मूलभूत सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।
- मौसम विभाग ने आज चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और देहरादून जिले में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया।
- प्रदेश सरकार शिक्षकों को अंतरिम पदोन्नति का लाभ देगी। विभागीय अधिकारियों को सभी औपचारिकताएं पूरा करने के निर्देश।

अतिवृष्टि नुकसान

प्रदेश के विभिन्न जिलों में रुक–रुककर हो रही बारिश के कारण जन–जीवन प्रभावित हो गया है। रुद्रप्रयाग और चमोली जिले में अतिवृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। रुद्रप्रयाग जिले में बसुकेदार क्षेत्र के बड़ेथ डुंगर तोक में अतिवृष्टि से नुकसान की जानकारी मिलने के बाद जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने आपदा कंट्रोल रूम में आपात बैठक की। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता व सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। राहत और बचाव कार्यों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और राजस्व विभाग की टीमें सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं।

उधर, चमोली जिले में देवाल विकासखंड के मोपाटा में अतिवृष्टि से दो लोग लापता बताए जा रहे हैं, जबकि दो अन्य घायल हैं। इन लोगों के आवास और गोशाला के दबने की सूचना है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने अतिवृष्टि से हुए नुकसान और किए जा रहे राहत कार्यों की दी जानकारी।

मुख्यमंत्री / आपदा

रुद्रप्रयाग, चमोली, टिहरी और बागेश्वर जिलों के कुछ क्षेत्रों में बादल फटने की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों से फोन पर वार्ता कर राहत और बचाव कार्यों को त्वरित गति से संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रभावित लोगों को बिना किसी देरी के तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जाए। मुख्यमंत्री ने आज देहरादून में आयोजित आपदा प्रबंधन की उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में सभी मूलभूत सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने वर्चुअल माध्यम से रुद्रप्रयाग, चमोली, टिहरी और बागेश्वर के जिलाधिकारियों से अतिवृष्टि की विस्तृत जानकारी ली और राहत व बचाव कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि पूरे मानसून सीजन तक शासन और प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रभावित परिवारों को निर्धारित मानकों के अनुसार मुआवजा शीघ्र उपलब्ध हो।

मौसम

टिहरी जिले के बुढ़ाकेदार क्षेत्र में भी कल देर रात अतिवृष्टि के कारण भारी नुकसान हुआ है, जहां एक शौचालय और घर का आंगन आपदा की भेंट चढ़ गया। सिंचाई विभाग द्वारा पिछले वर्ष की आपदा के बाद बनाई गई सुरक्षा दीवार भी मलबे और तेज बारिश की चपेट में आकर बह गई। लगातार हो रही बारिश के कारण बालगंगा, धर्मगंगा और भिलंगना नदियां उफान पर हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

बालगंगा तहसील के गेंवाली बूढ़ाकेदार में अतिवृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। कई छानियाँ और मंदिर मलबे दब गए हैं। साथ ही कई मवेशियों के बहने की आशंका जताई जा रही है। चम्पावत जिले में कल रात से हो रही तेज बारिश के कारण टनकपुर–पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग कई जगहों पर बाधित है। इसके अलावा जिले के आधा दर्जन सम्पर्क मार्ग भी बाधित हैं। बागेश्वर जिले में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। बारिश को देखते हुए आज राज्य के कुछ जिलों में कक्षा 1 से 12 तक के स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है। इस बीच, मौसम विभाग ने आज चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और देहरादून जिले में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा उत्तरकाशी, हरिद्वार, पिथौरागढ़, ऊधमसिंह नगर और चम्पावत जिलों में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य के शेष जिलों में तेज दौर की बारिश की संभावना भी जताई गई है।

शिक्षक पदोन्नति

प्रदेश सरकार अब शिक्षकों को अंतरिम पदोन्नति का लाभ देगी। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को सभी औपचारिकताएं पूरा करने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही विधि विभाग से परामर्श लेकर न्यायालय में ठोस जवाब दाखिल करने को कहा गया है। इसके अलावा धारा–27 के अंतर्गत स्थानांतरण प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी अधिकारियों को दिये गये। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने देहरादून में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा जल्द से जल्द सभी पात्र शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ देना है, लेकिन वरिष्ठता विवाद का प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वरिष्ठता सूची निर्धारण तक पात्र शिक्षकों को अंतरिम पदोन्नति का लाभ देने का निर्णय लिया है। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को विधि विभाग से उचित परामर्श लेकर न्यायालय में ठोस व तथ्यात्मक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. रावत ने कहा कि शिक्षकों की पदोन्नति न होने से विद्यालयों में शिक्षण और मूल्यांकन कार्यों में प्रतिकूल असर पड़ रहा है, जिसका खामियाजा छात्र–छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। विभागीय मंत्री बैठक में धारा–27 व असाध्य रोगों से ग्रसित अध्यापकों के स्थानांतरण प्रक्रिया में तेजी लाने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए।

देहरादून–मसूरी रोपवे

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून–मसूरी रोपवे परियोजना के अलाइमेंट की फिर से समीक्षा करने और स्थानीय लोगों से एक बार फिर सुझाव लेने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस परियोजना को लेकर हितधारकों और अधिकारियों की मसूरी में बैठक आयोजित की गई। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके आग्रह पर यह परियोजना स्वीकृत हुई है। उन्होंने कहा कि मसूरी रोपवे परियोजना न केवल पर्यटन को नई ऊंचाई देगी, बल्कि स्थानीय विकास में भी मील का पत्थर साबित होगी। बैठक में परियोजना के प्रबंध निदेशक ने रोपवे निर्माण से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया और परियोजना की प्रगति साझा की। इस दौरान भूमि संबंधी मुद्दों, वन स्वीकृति और निर्माण से जुड़े अन्य पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही हितधारकों के सुझाव भी लिए गए।

जिलाधिकारी बैठक

पौड़ी की जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बालिकाओं से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू करने के अधिकारियों को निर्देश दिए, ताकि बेटियों को शिक्षा, करियर और आत्मरक्षा के क्षेत्र में हर संभव सहयोग मिल सके। जिला मुख्यालय में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स बैठक हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि 'अफसर बिटिया' कार्यक्रम के तहत करियर काउंसलिंग, स्वास्थ्य संबंधी कार्यशालाएं और बालिकाओं की रूचि के आधार पर एक्सपोजर विजिट करायी जाएं। उन्होंने कहा कि कक्षा 11 और 12 की छात्राओं को पारंपरिक और गैर पारंपरिक क्षेत्रों में रोजगार व स्वरोजगार के अवसरों से अवगत कराया जाय। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिये कि कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण 12वीं के बाद पढ़ाई छोड़ने वाली मेधावी बालिकाओं को आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता दी जाय।